खबर संक्षेप

मानपुर की बेटी अर्चना गुप्ता बनीं राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य, क्षेत्र में हर्ष की

मानपुर। नारी शक्ति और दृढ़ संकल्प की प्रतिमूर्ति, मानपुर की बेटी अर्चना गुप्ता को मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य बाल संरक्षण आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। मानपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी फूलचंद गुप्ता की सुपुत्री अर्चना गुप्ता की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि समूचे जिले का मान प्रदेश स्तर पर बढ़ाया है। एक प्रतिष्ठित व्यापारिक और धार्मिक परिवेश में पली-बढ़ी अर्चना गुप्ता का विवाह चंदिया नगर में हुआ। उन्होंने एक कुशल गृहिणी के उत्तरदायित्वों को निभाने के साथ-साथ विधि (वकालत) के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। समाज सेवा के संकल्प के साथ राजनीति में कदम रखने वाली अर्चना ने अपनी कार्यक्षमता और सक्रियता के बल पर वह मुकाम हासिल किया है, जो आज कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

उमरिया के नन्हे उस्ताद का देश में डंका

मानपुर। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती और न ही इसे संसाधनों की कमी रोक सकती है। इसे सच कर दिखाया है मानपुर विकासखंड के एक छोटे से गांव गोवर्दे (खैरवार टोला) के 8 वर्षीय नन्हे बालक ऋषि केवट ने। शासकीय प्राथमिक शाला के इस होनहार छात्र ने मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अंग्रेजी ओलंपियाड में पूरे देश में पांचवां स्थान प्राप्त कर उमरिया जिले सहित समूचे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।
ऋषि की यह सफलता अचानक नहीं मिली। हाल ही में ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ऋषि ने पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया था। इसके बाद मुंबई में हुए राष्ट्रीय समागम में उन्होंने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। चकाचौंध भरी माया नगरी में भी ऋषि का आत्मविश्वास डिगा नहीं और उन्होंने देश भर के मेधावियों के बीच अपनी जगह बनाई। विशेष बात यह है कि इस नन्हे बालक ने कक्षा 2, 4 और 5 के कई छात्र-छात्राओं को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया है। ऋषि की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे उनकी कड़ी मेहनत के साथ-साथ शिक्षक विमलेश सोनी और उनकी माता का अटूट विश्वास रहा है। साथ ही, जिला शिक्षा केंद्र उमरिया के एपीसी (अकादमिक) के.जी. भट्ट का कुशल मार्गदर्शन ऋषि के लिए संजीवनी साबित हुआ, जिनके निर्देशन में इस ग्रामीण प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर मिला।
एक छोटे से गांव से निकलकर राष्ट्रीय पटल पर चमकने वाले ऋषि अब अन्य विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल बन गए हैं। इस गौरवशाली उपलब्धि पर उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह ओहरिया, और जिला शिक्षा अधिकारी सहित प्रशासनिक अमले ने हर्ष व्यक्त किया है। कलेक्टर ने ऋषि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उमरिया आगमन पर इस नन्हे सितारे को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। ऋषि की यह जीत यह संदेश देती है कि यदि संकल्प दृढ़ हो और सही मार्गदर्शन मिले, तो सरकारी स्कूल के बच्चे भी सात समंदर पार तक अपनी सफलता की गूंज पहुंचा सकते हैं।

आरोप-प्रत्यारोप के बीच उत्पादन पर असर की आशंका

शारदा परियोजना में संग्रामः रोजगार राजनीति

ठेका कंपनी और वायरल ऑडियो से बढ़ा विवाद

सोहागपुर एरिया की शारदा खुली खदान में ठेका कंपनी आर.के. अर्थ मूवर्स और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच विवाद खुलकर सामने आ गया है। कंपनी ने दबाव, धमकी और कथित वसूली के आरोप लगाए हैं, जबकि दूसरी ओर स्थानीय रोजगार का मुद्दा उठाया गया है। सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है।

कंपनी की एंट्री के बाद बढ़ीं मांगें

शहडोल। सोहागपुर एरिया अंतर्गत शारदा परियोजना में आर.के. अर्थ मूवर्स के आने के बाद शुरुआती दौर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, खासकर नगर परिषद पक्ष की बात मानी जाती रही और उनके कहने पर कुछ लोगों को काम पर भी रखा गया। बाद में मांगें बढऩे, हस्तक्षेप तेज होने और प्रभाव के इस्तेमाल के आरोपों से टकराव की स्थिति बन गई। मामला सार्वजनिक विवाद से व्यक्तिगत आरोपों तक पहुंचा तो शिकायतें थाने तक जा पहुंचीं। पहले कंपनी पक्ष ने उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह के खिलाफ आवेदन दिया, इसके बाद रोजगार का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया और अध्यक्ष मौसमी केवट भी इस विवाद में सक्रिय दिखीं।

स्थानीय रोजगार बनाम ठेका कंपनी

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर एरिया अंतर्गत शारदा खुली खदान में इन दिनों कोयला उत्पादन से अधिक विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है। परियोजना में कार्यरत आर.के. अर्थ मूवर्स कंपनी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच खिंचाव ने औद्योगिक माहौल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पक्ष का कहना है कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उनका तर्क है कि खदान क्षेत्र की जमीन, संसाधन और परिवेश प्रभावित होने के बाद भी स्थानीय युवाओं को

बकहो में हक की हुंकार, परिषद ने प्रबंधन को घेरा!

अपेक्षित अवसर नहीं मिल रहे।

कंपनी ने लगाए गंभीर आरोप

कंपनी पक्ष की ओर से दिए गए शिकायत पत्र में प्रोजेक्ट हेड राजेश्वर यादव ने आरोप लगाया कि नगर परिषद बकहो के उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह ने फोन पर गाली-गलौज की, धमकी दी और कथित रूप से मासिक राशि की मांग की। शिकायत में यह भी कहा गया कि मांग पूरी न होने पर परियोजना में काम नहीं करने देने की चेतावनी दी गई। मामला केवल मौखिक विवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि थाने तक पहुंच गया। पुलिस स्तर पर आवेदन दिए जाने और एनसीआर दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है।

जनप्रतिनिधियों ने कंपनी पर लगाए आरोप

नगर परिषद बकहो के जनप्रतिनिधियों ने कंपनी प्रबंधन पर स्थानीय युवाओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि परियोजना क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों से काम कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ। जनप्रतिनिधियों के अनुसार, क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग होने के बावजूद स्थानीय परिवारों को रोजगार का लाभ नहीं मिल रहा। मशीनों और बाहरी श्रमिकों के जरिए काम कराए जाने से क्षेत्रीय युवाओं में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि 48 घंटे के भीतर स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं दिया गया तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। आवश्यकता पडऩे पर कार्य बंद कराने तक की बात भी कही गई है।

सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो से हलचल

पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया में एक कथित ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसने स्थानीय राजनीति, दबाव की संस्कृति और अवैध वसूली जैसे आरोपों की चर्चा तेज कर दी है। ऑडियो की सत्यता और कानूनी स्थिति की पुष्टि संबंधित एजेंसियों को करनी है, लेकिन इसके सार्वजनिक होने से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। सच्चाई क्या है, यह आने वाला वक्त ही बताएगा। हालांकि वायरल सामग्री ने क्षेत्रीय सत्ता समीकरणों और ठेका व्यवस्था पर कई सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

घटनाक्रम ने खड़े किए सवाल

जानकारों का कहना है कि परियोजना में काम शुरू कराने के लिए पिछले कई महीनों से प्रयास चल रहे थे। जैसे ही उत्पादन गतिविधियां गति पकडऩे लगीं, विवाद सतह पर आ गया। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या स्थानीय समन्वय पहले से

Rk Earth Resources

कमजोर था या बाद में परिस्थितियां बिगड़ीं। यदि परियोजना स्थल पर बार-बार टकराव की स्थिति बनेगी, तो मशीनरी संचालन, श्रमिक व्यवस्था और उत्पादन चक्र प्रभावित होना स्वाभाविक है।

रोजगार की मांग बनाम दबाव की राजनीति

खनन क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग उचित मानी जाती है। प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिकता देना सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टि से भी जरूरी है, लेकिन यदि रोजगार के नाम पर दबाव, अनुचित हस्तक्षेप, काम रुकवाने की चेतावनी या कथित आर्थिक मांगें जुड़ जाएं, तो स्थिति जटिल हो जाती है। ऐसे माहौल में कंपनियां निवेश और संचालन दोनों स्तर पर असहज होती हैं।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी नजर

जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल विरोध तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाधान निकालना भी उनकी भूमिका का हिस्सा है। स्थानीय युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण, नियोजन सूची, ठेका कार्यों में अवसर और प्रशासनिक संवाद जैसे विकल्प मौजूद हैं। दूसरी ओर कंपनियों को भी स्थानीय संवेदनशीलता समझनी होगी और रोजगार व सामाजिक दायित्वों पर पारदर्शिता रखनी होगी।

उत्पादन लक्ष्य पर असर संभव

कोयला उत्पादन राष्ट्रीय ऊर्जा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बिजली संयंत्रों और उद्योगों की निर्भरता कोयले पर है। यदि परियोजनाएं स्थानीय विवादों, राजनीतिक खींचतान और प्रबंधन तनाव में उलझती हैं तो उत्पादन लक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। कोल इंडिया और केंद्र सरकार उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसे विवाद उस लक्ष्य के सामने चुनौती बन सकते हैं।

काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, कुपोषण और भ्रष्टाचार पर कसें शिकंजाः कमिश्नर

संभागीय समीक्षा में अधिकारियों की क्लास, बजट खपाने के बजाय धरातल पर दिखाएं परिणाम

शहडोल। विकास कार्यों की कछुआ चाल और फाइलों में दबे जनहित के मुद्दों पर कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। अमरकंटक सभाकक्ष में आयोजित मैराथन समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने संभाग के तीनों जिलों के कलेक्टरों और विभागीय प्रमुखों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि अब केवल कागजी घोड़े दौड़ाने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने साफ कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, अन्यथा जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कुपोषण के कलंक को मिटाने का अल्टीमेटम

बैठक में सबसे तीखा प्रहार महिला एवं बाल विकास विभाग पर हुआ। कमिश्नर ने सख्त लहजे में कहा कि संभाग को कुपोषण मुक्त बनाना कोई विकल्प नहीं, बल्कि प्राथमिकता है। अति कुपोषित बच्चों को चिह्नित कर तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को दफ्तर छोडक़र फील्ड में उतरने और पोषण आहार वितरण की जमीनी हकीकत जांचने को कहा गया है। गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन और संस्थागत प्रसव में लापरवाही बरतने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

वसूली और सख्ती के निर्देश

नगरीय प्रशासन और ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने आवास योजनाओं में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। पीएम आवास 1.0 के तहत जिन हितग्राहियों ने पैसा लेने के बाद भी काम शुरू नहीं किया है, उनसे तत्काल वसूली की जाए। वहीं पीएम आवास 2.0 के आवेदनों का सत्यापन युद्ध स्तर पर कर पात्रों को लाभ दिया जाए। अमृत 2.0 योजना और जल जीवन मिशन के तहत मई माह तक शत-प्रतिशत घरों में नल-जल कनेक्शन देने का डेडलाइन तय किया गया है।

गौशालाओं से जुड़ेंगे बीआरसी

कृषि और पशुपालन क्षेत्र में क्षीर धारा योजना और प्राकृतिक खेती को लेकर कमिश्नर ने नई रणनीति पेश की। उन्होंने निर्देश दिए कि बीआरसी केंद्रों को अनिवार्य रूप से गौशालाओं से मैपिंग (जोड़ा) किया जाए। यदि पास में गौशाला नहीं है, तो तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी करें। संभाग में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशु नस्ल सुधार और टीकाकरण के कार्यों में अंतर-विभागीय समन्वय की कमी पर उन्होंने अधिकारियों को जमकर क्लास लगाई।
ऑनलाइन शिकायतों का हो निपटारा
राजस्व और सुशासन की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने दोटूक कहा कि सीमांकन, बंटवारा और नामांतरण के मामलों में आम जनता को चक्कर लगवाना बंद करें। जन्म-मृत्यु और जाति प्रमाण पत्र जैसे संवेदनशील मामलों में बिना ठोस कारण नकारात्मक निर्णय दर्ज करने पर पाबंदी लगा दी गई है। ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय-सीमा के भीतर न होने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

सौर ऊर्जा और श्रमिक कल्याण

पीएम सूर्य घर योजना और कुसुम-बी सोलर पंप योजना की प्रगति पर कमिश्नर ने संतोष तो जताया, लेकिन गति बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, संबल योजना के तहत लंबित अनुग्रह सहायता के प्रकरणों को तत्काल निपटाने और वनाधिकार दावों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आदेश दिया। बैठक में शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली और उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय सहित तीनों जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर के इस आक्रामक तेवर के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मचा है।

अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो वाहन जब्त

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन तथा खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य के मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान ब्यौहारी एवं सोहागपुर तहसील क्षेत्रों में दो वाहनों को अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया। प्रभारी खनि निरीक्षक समयलाल गुप्ता के नेतृत्व में खनिज अमले ने पहले ब्यौहारी तहसील अंतर्गत ग्राम रसपुर झापर नदी क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। विभाग को यहां से अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए 24 अप्रैल की मध्यरात्रि में टीम ने छापामार कार्रवाई की।

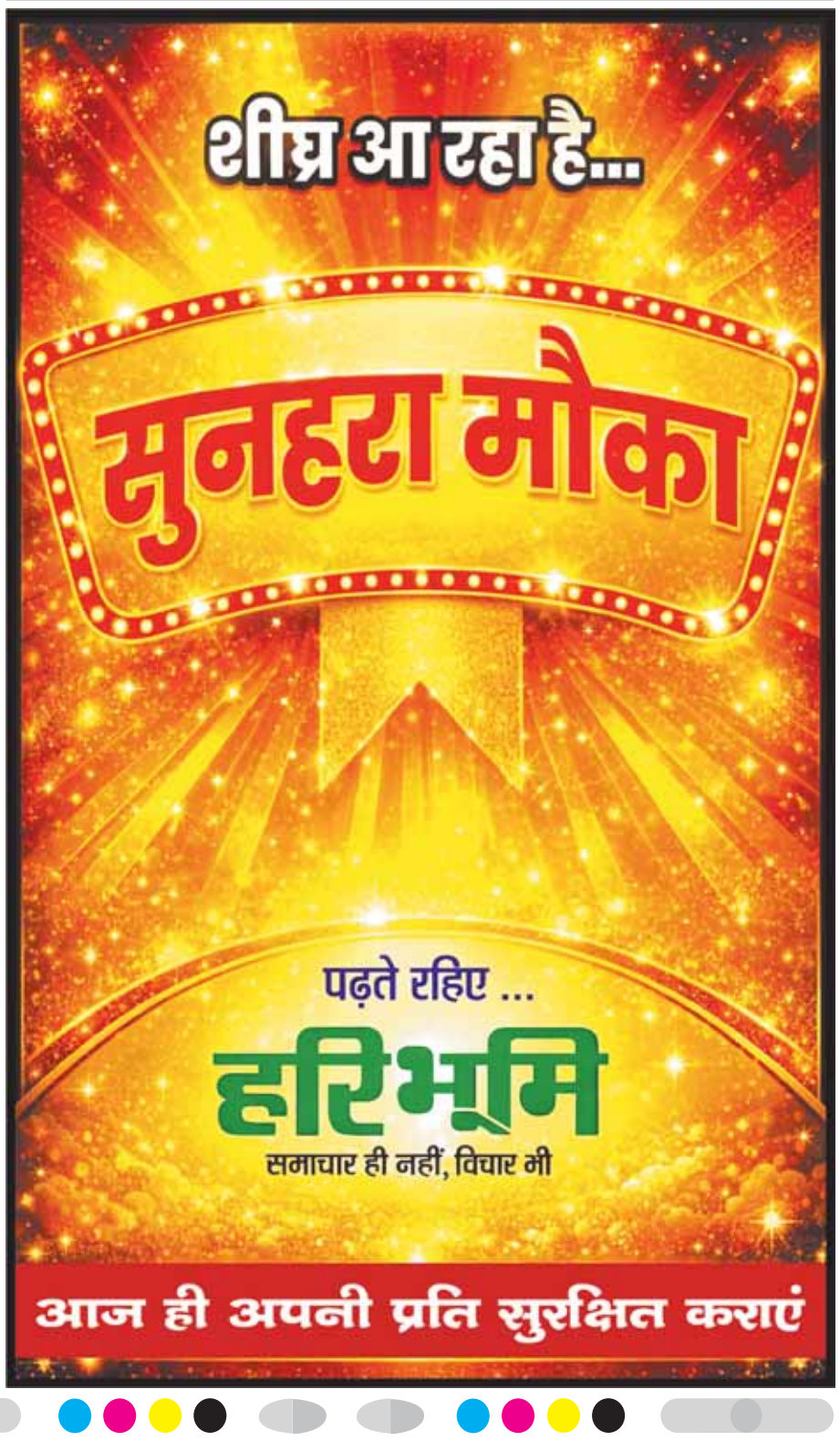

फायर ब्रिगेड व्यवस्था कमजोर, ग्रामीणों ने उठाई ठोस इंतजाम की मांग

शहडोल। ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत के साथ ही जिले के ग्रामीण और वन क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। खासकर बुढ़ार थाना क्षेत्र तथा जैतपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीते कुछ दिनों में कई स्थानों पर सूखी पत्तियों, झाड़ियों और जंगल की सफाई के दौरान आग फैलने की घटनाएं सामने आई हैं। कई मामलों में महुआ बीनने के लिए जमीन साफ करने के दौरान भी आग लगने की आशंका जताई जा रही है।स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि रिलायंस के सीबीएम प्रोजेक्ट से घिरे गांवों में लगातार आग लगने की शिकायतें मिल रही हैं। प्रोजेक्ट क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था होने के बावजूद वह अधिकतर कंपनी परिसर और उसके संरक्षित क्षेत्र तक सीमित रहती है। हाल के दिनों में कई स्थानों पर आग लगने पर समय पर राहत नहीं पहुंच सकी। वहीं बुढ़ार नगर परिषद का फायर ब्रिगेड वाहन भी मरम्मत के अभाव में सेवा योग्य नहीं बताया जा रहा है।
शनिवार को ग्राम पकरिया में निजी और सरकारी भूमि पर लगी आग कई घंटों तक धधकती रही, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित कंपनियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। हर वर्ष गर्मी में ऐसी घटनाएं दोहराई जाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान नजर नहीं आता। प्रशासन को ग्राम स्तर पर अग्निशमन दल गठित करना चाहिए, खराब फायर ब्रिगेड वाहनों की तुरंत मरम्मत करानी चाहिए और वन क्षेत्रों में फायर लाइन बनानी चाहिए। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक कर नियंत्रित सफाई व्यवस्था लागू करनी होगी। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो मानव जीवन, वन्यजीव और वन संपदा पर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

खबर संक्षेप

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 26 अप्रैल को किया गया है। यह परीक्षा दो पाली में संपन्न होगी।प्रथम पाली में प्रातः10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 से 4.15 बजे तक संचालित होगी । परीक्षा में 900 परीक्षार्थी तीन केंद्रों के माध्यम से परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पूर्वक आयोजन हेतु आयोग कार्यालय व्दारा शहडोल संभाग के लिए संभागीय पर्यवेक्षक राम। गोपाल प्रजापति सेवा निवृत्त जिला न्यायाधीश को नियुक्त किया गया है।

एमपी ई सेवा पोर्टल, एप्लीकेशन के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में निर्देश जारी

उमरिया। राज्य शासन व्दारा पोर्टल एवं मोबाइल एप एमपीई सेवा विकसित किया गया है। पोर्टल पर वर्तमान में 500 से अधिक सेवाएं लाइव संचालित की जा चुकी है एवं शेष अन्य सेवाओ को इस प्लेटफार्म से जोडे जाने का कार्य प्रगति पर है । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचातयत अभय सिंह ने बताया कि एमपी ई सेवा मोबाइल एप्लीकेशन एंड्राइड एवं एप्पल यूजर के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर से निशुल्क डाउन लोड किया जा सकता है। उन्होने बताया कि एम.पी.ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से समग्र प्रोफाइल के आधार पर शासकीय योजनाओं के पात्रता की जाँच, जिससे नागरिक उपयुक्त शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठा सकते हैं। रियल-टाइम आवेदन ट्रैकिंग एवं स्थिति ज्ञात किए जाने की सुविधा, डिजिटल प्रमाणपत्र डाउनलोड की सुविधा, इंटीग्रेटेड पेमेंट गेटवे सुविधा, सिंगल साइन-ऑन सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन विभाग से कहा है कि अपने विभाग के द्वारा प्रदाय की जा रही समस्त प्रकार की सेवायें यदि एम.पी ई-सेवा से जुडी है तो हितग्राहियों, नागरिकों को एम.पी.ई-सेवा पोर्टल पर आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रदेश में 40 अभेद्य ई-चेक गेट तैनात

खनिज माफियाओं के काले साम्राज्य पर सरकार का वज्रपात

शहडोल की सफलता ने खोला मार्ग
अब समूचे प्रदेश में मशीनी आंखें रखेंगी अवैध परिवहन पर पैनी नजर

शहडोल। खनिज संपदा को दीमक की तरह चाट रहे माफियाओं के विरुद्ध शासन ने अब तक का सबसे भीषण तकनीकी युद्ध छेड़ दिया है। अवैध उत्खनन और सीनाजोरी के दम पर राजस्व को चूना लगाने वाले गिरोहों की कमर तोड़ने के लिए प्रदेशभर में 40 अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित ई-चेक गेट स्थापित कर दिए गए हैं। शहडोल जिले में बीते एक वर्ष से चल रहे सफल परीक्षण ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब तकनीक कमान संभालती है, तो भ्रष्टाचार के रास्ते स्वतः बंद हो जाते हैं। अब उसी शहडोल मॉडल को ढाल बनाकर सरकार ने रेत, गिट्टी और पत्थर के अवैध कारोबार पर निर्णायक प्रहार किया है।

फर्जीवाड़े का खेल खत्म

खनिज साधन विभाग ने अब स्पष्ट कर दिया है कि सडक़ों पर केवल रसूख नहीं, बल्कि कानून का राज चलेगा। विभाग द्वारा स्थापित यह नई व्यवस्था पूरी तरह से मानव-रहित है, यानी अब नाके पर तैनात किसी कर्मचारी को डरा-धमकाकर या लालच देकर गाडिय़ां पार कराना मुमकिन नहीं होगा। यह एक ऐसी अभेद्य घेराबंदी है जिसमें वाहन के पहिया रखते ही उसकी कुंडली कंप्यूटर की स्क्रीन पर दर्ज हो जाएगी। शहडोल के रीवा रोड स्थित कोनी तिराहा और ब्यौहारी क्षेत्र में इस प्रणाली ने पहले ही माफियाओं के पसीने छुड़ा दिए हैं। सहायक खनि अधिकारी राहुल शांडिल्य के अनुसार, यह तकनीक न केवल अवैध परिवहन को रोक रही है, बल्कि फर्जी दस्तावेजों के सहारे चल रहे काले खेल को भी जड़ से समाप्त कर रही है।

अभेद्य कवच: ऐसे कसेगा शिकंजा

अब खनिज ढोने वाले प्रत्येक वाहन के लिए रेडियो आवृत्ति पहचान (आरएफआईडी) पट्टिका अनिवार्य कर दी गई है। यह पट्टिका वाहन के सामने वाले कांच पर चिपकाई जाएगी। जैसे ही कोई वाहन ई-चेक गेट के दायरे में आएगा, वहां लगे शक्तिशाली सेंसर और कैमरे सक्रिय हो जाएंगे। कैमरे वाहन की संख्या को दूर से ही पढ़ लेंगे। यदि वाहन का ई-परिवहन पास वैध नहीं है या मार्ग परिवर्तित किया गया है, तो प्रणाली तुरंत खतरे का संकेत देगी। ई-पास की सूचना और वाहन की वास्तविक स्थिति में जरा सा भी अंतर पाए जाने पर सीधे वाहन स्वामी के विरुद्ध ऑनलाइन प्रकरण दर्ज होगा।

नियम तोड़ा तो सीधा होगा पंजीकरण निरस्त

राज्य सरकार ने केवल तकनीक ही नहीं बदली, बल्कि कानून के दांत भी और नुकीले कर दिए हैं। खनिज नियम 2022 में किए गए कड़े संशोधनों के तहत अब नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों का पंजीकरण तुरंत निलंबित या स्थायी रूप से निरस्त कर दिया जाएगा। गंभीर अपराधों की स्थिति में संबंधित जिले के कलेक्टर को वाहन राजसात (जब्त) करने के सीधे आदेश दिए गए हैं। अब माफियाओं के पास न तो भागने का रास्ता बचा है और न ही पैरवी का विकल्प।

ड्रोन और उपग्रह की जुगलबंदी

सरकार की यह घेराबंदी केवल सडक़ों तक सीमित नहीं है। अब आसमान से भी साया माफियाओं पर मंडरा रहा है। प्रदेश की हजारों खदानों की भौगोलिक-चिह्नित (जियो-टैगिंग) कर दी गई है। त्रिविमीय चित्रण (3-डी इमेजिंग) के माध्यम से खदान में हुए उत्खनन की वास्तविक गहराई और मात्रा का सटीक आकलन किया जाएगा। स्वीकृत क्षेत्र से एक इंच भी बाहर खुदाई हुई, तो उपग्रह के माध्यम से उसकी सूचना सीधे भोपाल स्थित मुख्य नियंत्रण केंद्र को मिल जाएगी।

भ्रष्टाचार की जड़ों पर प्रहार

विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल केवल राजस्व बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रशासनिक शुचिता की दिशा में एक बड़ा कदम है। मानवीय हस्तक्षेप समाप्त होने से नाकों पर होने वाली अवैध वसूली और विवादों पर लगाम लगेगी। वैध रूप से व्यवसाय करने वाले कारोबारियों ने इस कदम का स्वागत किया है, क्योंकि अब उन्हें माफियाओं की गलाकाट और अवैध प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ेगा। राजधानी भोपाल में स्थापित कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से पूरे प्रदेश की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा रही है। पहले चरण में चिह्नित किए गए 40 मुख्य मार्गों ने माफियाओं के पारंपरिक रास्तों को बंद कर दिया है।

तकनीक बनी प्रशासन की ढाल

शहडोल से शुरू हुई यह क्रांति अब पूरे प्रदेश के खनिज क्षेत्र की तस्वीर बदलने को तैयार है। अत्याधुनिक कैमरों, सेंसरों और सख्त कानूनों के इस त्रिकोण ने माफियाओं के स्वर्ण युग का अंत कर दिया है। यदि क्रियान्वयन इसी आक्रामकता से जारी रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश का खनिज राजस्व रिकॉर्ड स्तर पर होगा और अवैध उत्खनन केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित रह जाएगा।

मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा आज

उमरिया। कलक्टर श्रीमतीं राखीं सहाय ने बताया कि मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 26 अप्रैल को किया गया है। यह परीक्षा दो पाली में संपन्न होगी।प्रथम पाली में प्रातः10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 से 4.15 बजे तक संचालित होगी । उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिनमें शासकीय पालीटेक्निक महाविद्यालय उमरिया में बनाए गए केंद्र में 300, शासकीय सज्जन उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया में बनाए गए केंद्र में 300 तथा शासकीय बालक उमावि कॉलरी में बनाए गए केंद्र में 300 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे । उन्होंने बताया कि तीनों परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा की समस्त प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने के 90 मिनट पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा के दौरान कफ लिंक,धूप का चश्मा, जूते-मोजे,हाथ के बैंडध्हाथ में बंधे बंधन इत्यादि में नाना प्रकार के इलेक्ट्रानिक डिवाइस के उपयोग को रोकने के लिए परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षार्थी चप्पल व सेण्डल पहनकर आ सकते हैं।चेहरे को ढंक कर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षा में पेंसिल, रबर (इरेजर) व व्हाईटनर एवं एससेरीज जैसे- बालों को बांधने का क्लचर, बकल, घड़ी,हाथ में पहने जाने वाले मेटॉलिक चमडे के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्मे, पर्स वॉलेट, टोपी ताबीज वर्जित है।
परीक्षार्थियों को मोबाइल, केल्कुलेटर इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण,पठन सामग्री एवं वर्जित वस्तुएं लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ऐसे सभी परीक्षार्थियों को जिनके पास संबंधित परीक्षा केन्द्र के लिए आयोग द्वारा जारी प्रवेश पत्र हैं व आयोग द्वारा निर्धारित किए गए फोटो परिचय पत्रों में से कोई एक मूल फोटो परिचय पत्र उपलब्ध हो उन्हें प्रवेश दिया जावेगा।

एसडीएम मानपुर ने किया निर्माणाधीन कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण

मानपुर। एसडीएम हरनीत कौर कलसी ने शनिवार को क्षेत्र में निर्माणाधीन कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा का जायजा लिया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप एवं गुणवत्ता के साथ यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान परिसर में बनने वाले कक्षों,छात्रावास, पेयजल व्यवस्था, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी भी ली गई। उन्होंने छात्राओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
एसडीएम ने कहा कि कन्या शिक्षा परिसर के निर्माण से क्षेत्र की बालिकाओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और उन्हें दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रामलाल रौतेल के आयोग अध्यक्ष बनने पर बदरा-जमुना तिराहा में ऐतिहासिक उत्सव

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आदिवासी नेता एवं पूर्व विधायक रामलाल रौतेल को अनुसूचित जनजाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की खबर सामने आते ही जमुना-कोतमा क्षेत्र के बदरा में उत्साह की लहर दौड़ गई। ग्राम पंचायत बदरा के बदरा-जमुना तिराहा में सरपंच एवं मंडल पसान भाजपा के महामंत्री शिवभान सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भव्य जश्न मनाया। पटाखों की गूंज, मिठाइयों की मिठास और "रामलाल रौतेल जिंदाबाद" के नारों के बीच पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। इस अवसर पर सरपंच एवं मंडल पसान भाजपा के महामंत्री शिवभान सिंह ने कहा कि रामलाल रौतेल का अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष पद पर मनोनयन केवल एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के आत्मसम्मान, अधिकार और प्रतिनिधित्व की ऐतिहासिक जीत है। उन्होंने कहा कि रामलाल रौतेल ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सदैव आदिवासी समाज, गरीब, वंचित और शोषित वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाया है। यही कारण है कि आज समाज का हर वर्ग उनकी नियुक्ति को अपनी जीत के रूप में देख रहा है। शिवभान सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लेकर स्पष्ट संदेश दिया है कि आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि रामलाल रौतेल के नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति समाज की समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से होगा और समाज को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कार्य होंगे। पूर्व सरपंच मानसिंह ने अपने संबोधन में कहा कि रामलाल रौतेल की नियुक्ति ने यह साबित कर दिया है कि जनसेवा और समाज के प्रति समर्पण कभी व्यर्थ नहीं जाता। उन्होंने कहा कि रामलाल रौतेल ने हमेशा क्षेत्र की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक गंभीरता से पहुंचाया और आदिवासी समाज के हक की लड़ाई मजबूती से लड़ी। यही वजह है कि आज उनकी नियुक्ति पर गांव-गांव में खुशी का माहौल है। मानसिंह ने कहा कि यह निर्णय आने वाले समय में आदिवासी समाज के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा और समाज को न्याय एवं सम्मान दिलाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वरिष्ठ कार्यकर्ता त्रिवेणी शंकर तिवारी ने कहा कि रामलाल रौतेल का अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष पद पर पहुंचना क्षेत्र की जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि रौतेल ने अपने राजनीतिक और सामाजिक जीवन में हमेशा समाज के कमजोर तबके की आवाज को मजबूती दी है। त्रिवेणी शंकर तिवारी ने कहा कि आज आदिवासी समाज को ऐसा नेतृत्व मिला है, जो उनकी समस्याओं को समझता है, उनके दर्द को महसूस करता है और उनके अधिकारों के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति समाज के लिए गर्व, सम्मान और विश्वास का नया अध्याय है। इस अवसर पर महाकाल होटल के संचालक शिवकुमार गुप्ता, शिव शुक्ला, अनुज शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और रामलाल रौतेल के नेतृत्व में आदिवासी समाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बदरा-जमुना तिराहा पर देर तक आतिशबाजी, नारेबाजी और बधाइयों का दौर चलता रहा। पूरे आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि रामलाल रौतेल की नियुक्ति को क्षेत्र की जनता केवल एक पद नहीं, बल्कि अपने सम्मान और अधिकार की बड़ी जीत के रूप में देख रही है।

नागरिकों की आस हो रही खत्म, अब जनप्रतिनिधियों से टूटता जा रहा नागरिकों का विश्वास

कोयलांचल के लोगों के साथ रेल प्रबंधन के द्वारा किया जा रहा सौतेला व्यवहार

कोतमा। नागरिकों की आस अब हो रही खत्म नागरिकों का विश्वास अब जनप्रतिनिधियों से टूटता जा रहा है। कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के साथ रेल प्रबंधन के द्वारा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। यहां के लोगों को ट्रेन सुविधा के नाम पर मात्र झुनझुना पकड़ा दिया जाता है जबकि इस क्षेत्र में कई कोयला की खदानें संचालित है। और यह क्षेत्र वन संपदा से भी आच्छादित है। वर्तमान मे कई उद्योग खुलने वाले हैं लेकिन ट्रेन की सुविधा पर्याप्त न होने के कारण यहां का व्यापार भी ठप्प होते जा रहा है। कोतमा नगर में सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है जबकि कोतमा विधानसभा क्षेत्र से ही संभाग के इकलौते मंत्री दिलीप जायसवाल प्रदेश में मंत्री के पद पर आसीन है। कहने को तो शहडोल संसदीय क्षेत्र से हिमाद्री सिंह सांसद हैं और उनके ही संसदीय क्षेत्र में लोग ट्रेनों को लेकर परेशान नजर आ रहे हैं। लोग अब तो सांसद पर सवालिया निशान भी खड़ा करने लगे हैं कि आए दिन सांसद के द्वारा क्षेत्र की रेल समस्याओं को लेकर रेल मंत्री से मुलाकात करते हुए मांग पत्र सौपा जाता है लेकिन यह मांग पत्र ही बनकर रह जाती है दूसरा कार्यकाल शुरू है उनका लेकिन रेल सुविधाओं के नाम पर इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जाता है यह लोगों के बीच अब जन चर्चा का विषय बनकर रह गया है। वही लोग अब चौक चौराहों में खड़े होकर यह चर्चा भी कर रहे हैं कि हमारे यहां के सांसद से तो अच्छे छत्तीसगढ़ के सांसद है जिनकी मांगों पर रेल प्रबंधन के द्वारा तत्काल विचार करते हुए मांग स्वीकृत कर दिया जाता है साथ ही वर्तमान मे जो विकास रीवा का हो रहा है चाहे वह ट्रेन की सुविधा हो या एयरपोर्ट की और इन्हें आए दिन ट्रेनों की सौगातें भी मिलने लगी है। नागपुर तक सीधी ट्रेन चलाये जाने की मांग बर्षो से की जा रही है लेकिन उस पर आज तक रेलवे प्रबंधन के द्वारा विचार नही किया जा रहा है। कोरोना काल के समय से चिरमिरी रीवा ट्रेन को सप्ताह मे तीन दिन कर दिया गया जबकि यह नियमित ट्रेन थी आज तक उसे प्रतिदिन नही किया गया। अनूपपुर जिले का सबसे बड़ा शहर कोतमा है और इसके साथ ही रेल प्रबंधन के द्वारा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। नगर के उद्योग एवं व्यवसायिक संगठन के द्वारा पूर्व मे छत्तीसगढ़ के सांसद बृजमोहन अग्रवाल पर भरोसा जताते हुए उनको एक मांग पत्र भेजा था जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि सरगुजा संभाग एवं शहडोल संभाग के यात्रियों की सुविधा हेतु रेल प्रबंधन से विभिन्न मांगों के संबंध में यह मांग पत्र सौपा गया है।

यह था मांग पत्र

उद्योग व व्यवसायिक संघ कोतमा के द्वारा मांग पत्र में उल्लेख किया गया था कि सरगुजा संभाग एवं शहडोल संभाग आदिवासी पिछड़ा बाहुल्य क्षेत्र है। रेल विभाग द्वारा यहां पर किसी भी प्रकार की नई ट्रेनों की सुविधा तथा पुरानी सुविधा जो भी थी उन्हें भी कोरोना काल में बंद कर दिया गया। जबकि इन दोनों संभागों से रेलवे को काफी आय होती है क्योंकि पूरे क्षेत्र में कोयले की ढुलाई की जाती है इसके एवज में रेलवे नाम मात्र का खर्च करता है। इस क्षेत्र की उपेक्षा निरंतर हो रही है। कोतमा उद्योग व्यवसायिक संघ के द्वारा छत्तीसगढ़ के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को मांग पत्र देते हुए उल्लेख किया है कि ट्रेन नंबर 18242 और 18243 अंबिकापुर दुर्ग एक्सप्रेस को नागपुर तक बढ़ाया जाए इस संभागों के मरीज को इलाज के लिए नागपुर के लिए सीधी ट्रेन ना होने के कारण बिलासपुर अथवा कटनी से ट्रेन पकड़नी पड़ती है इसे अंबिकापुर से 2 घंटे पूर्व छोड़ा जाए एवं अंबिकापुर शहडोल ट्रेन को बंद कर दिया जाए। चिरमिरी बिलासपुर ट्रेन को जिसका गाड़ी संख्या 18258 को चिरमिरी से झारसुगड़ा या रायगढ़ तक बढ़ाया जाए क्योंकि वह सुबह 4:30 बजे बिलासपुर पहुंचकर दिनभर बिलासपुर स्टेशन में खड़ी रहती है और फिर रात को चलती है। ट्रेन नंबर 18202 शहडोल नागपुर एक्सप्रेस को अंबिकापुर से नागपुर चलाया जाए ताकि अनूपपुर जिले के साथ ही सरगुजा संभाग के यात्रियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए नागपुर जाने के लिए सीधी ट्रेन उपलब्ध हो सके यह ट्रेन अभी शहडोल से चलती है इसे बालाघाट गोंदिया रूट से चलाया जाता है।

अंबिकापुर से मुंबई के लिए ट्रेन चलाई जाए ताकि दोनों संभागों के लोगों को इसका लाभ मिल सके। चिरमिरी रीवा गाड़ी संख्या 11752 तथा रीवा चिरमिरी को कोरोना काल की पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए पूर्व में यह ट्रेन सातों दिन चलती थी वर्तमान में तीन दिन ही चल रही है। अनूपपुर मनेंद्रगढ़ मेमू ट्रेन जो की अनूपपुर जंक्शन से मनेंद्रगढ़ के लिए रात्रि 10:15 पर रवाना होती है इसमें किसी भी ट्रेन का मिलन ना होने के कारण पूरी ट्रेन खाली जाती है इस ट्रेन को रात्रि 12:00 बजे अनूपपुर जंक्शन से रवाना किया जाए जिससे अमरकंटक एक्सप्रेस की सवारी तथा कटनी मार्ग से जाने वाली ट्रेनों की सवारी अपने गंतव्य को जाने के लिए कनेक्टिविटी मिल सके। प्लेटफार्म मे डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाय जिससे यात्रियों को अपने निर्धारित कोच मे चढ़ने मे आसानी हो। स्टेशन में महिला या पुरुष के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है वार्ड 14 15 रेलवे ओवरब्रिज पर सोलर लाइट या विद्युत लाइट की व्यवस्था प्लेटफार्म एक और दो दोनों सेट से पानी अंदर गिरता है उसकी रिपेयरिंग की व्यवस्था एवं ठंडा पानी पीने की व्यवस्था करवाई जाए। कई नई साप्ताहिक ट्रेनें चलाई गई है उन ट्रेनों का स्टॉपेज भी कोतमा में नहीं दिया गया है जिसके कारण आम नागरिकों के साथ ही व्यापारी परेशान हो रहे हैं।

पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि हमारा क्षेत्र काफी पिछड़ा क्षेत्र है और यहां सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है रेल प्रबंधन के द्वारा भी इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। नागपुर के लिए सीधी रेल सेवा आज समय की जरूरत बन चुकी है। अंबिकापुर से नागपुर वाया बिजुरी कोतमा अनूपपुर कोयलांचल क्षेत्र के लिए सीधी रेल सेवा की सुविधा प्रदान की जाये। कोयलांचल क्षेत्र के यात्रियों को अब भी लंबा और असुविधाजनक सफर तय करना पड़ता है। शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का विस्तार अंबिकापुर तक करके अंबिकापुरदृ दुर्ग एक्सप्रेस को नागपुर तक विस्तार करके अंबिकापुर-नागपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस चिरमिरी- बिलासपुर एक्सप्रेस का विस्तार नागपुर तक करके- कोयलांचल क्षेत्र वासियों को सीधा नागपुर से जोड़ा जा सकता है। जिससे हजारों यात्रियों को सीधी ट्रेन की सुविधा मिल सके। लाखों लोगों को बेहतर ईलाज के नागपुर लिए सीधा साधन मिल सके। व्यापार और रोजगार को इससे बढ़ावा मिल सकेगा। बर्षो से नागरिकों के द्वारा मांग की जा रही है लेकिन सीधी ट्रेन की सुविधा का लाभ आज तक नही मिल पा रहा है।

कोतमा उद्योग व्यवसायिक संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष विनोद कुमार सराफ का कहना है कि हमारे द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर से सांसद बृजमोहन अग्रवाल जो की एसईसीआर में सलाहकार सदस्य भी है उन्हें हमारे द्वारा ट्रेनों से संबंधित मांग पत्र भेजा गया था। हमारे क्षेत्र के साथ रेल प्रबंधन सौतेला व्यवहार कर रहा है हमारे यहां से सांसद हिमाद्री सिंह के द्वारा कई बार रेल मंत्री से मुलाकात कर ट्रेनों के संबंध में चर्चा करते हुए मांग पत्र भी दिया गया है लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि छत्तीसगढ़ के सांसदों के द्वारा ट्रेनों से संबंधित जो भी मांग पत्र सोपा जाता है उस पर विचार करते हुए तत्काल ही रेल प्रबंधन के द्वारा अमल किया जाता है ।

सराफा व्यवसाई अंकुश सोनी जानी का कहना है कि हमारा नगर जिले का सबसे बड़ा व्यवसायिक क्षेत्र है और यहां पर कई कोयले की खदानें संचालित है उसके बावजूद रेल प्रबंधन के द्वारा इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है पूर्व में जो ट्रेन संचालित थी उन्हें भी अस्त-व्यस्त कर दिया गया है। जिसका रीव चिरमिरी ट्रेन की नियमित सुविधा थी जिसे भी सप्ताह मे तीन दिन कर दिया गया जिसे आज तक रेलवे प्रबंधन के द्वारा नियमित नही किया जा रहा है। जबकि हम व्यापारियों को व्यापार के लिए बाहर जाना पड़ता है। हमारे यहां के सांसद से यहां के लोगों की काफी उपेक्षाएं थी लेकिन उसमें भी वह खरी नहीं उतर रही है उनके द्वारा अभी तक हमारे क्षेत्र को कोई भी ट्रेन की सुविधा नहीं दिलवा पाई जबकि उनके द्वारा आए दिन सोशल मीडिया में रेल मंत्री के साथ मुलाकात करते हुए मांग पत्र सौपने की तस्वीर सामने आती है ।

कंप्यूटर व्यवसाई अमित सैनी का कहना है कि हमारे क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है हमारे यहां ना तो सही ढंग से स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करवाई जा रही है और ना ही ट्रेन की सुविधा दी जा रही है जबकि यहां के लोगों को इलाज के लिए आए दिन नागपुर जाना पड़ता है सीधी ट्रेन नहीं होने के कारण लोगों को आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है अंबिकापुर से नागपुर तक सीधी ट्रेन चलवाई जाए अंबिकापुर से मुंबई तथा अम्बिकापुर से प्रयागराज के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा प्रदान की जाये जिससे यहां के लोगों को बाहर आने जाने के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा मिल सके।

खबर संक्षेप

उपसंचालक कृषि ने खेतों में पहुंच कर फसलों का लिया जायजा ,किसानों से मिलकर जानी समस्या

उमरिया। जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों की फसलों की स्थिति का जायजा लेने और उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से लगातार क्षेत्रीय निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के उपसंचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी के द्वारा क्षेत्र का दौरा कर किसानों से सीधे संवाद स्थापित किया गया।इस दौरान उन्होंने किसानों के खेतों में पहुंचकर मूंगफली की फसल सहित अन्य तिलहनी फसलों का बारीकी से निरीक्षण किया। खेतों में फसलों की वृद्धि, उनकी वर्तमान स्थिति और उत्पादन की संभावनाओं का आकलन करते हुए किसानों से चर्चा की गई। किसानों ने भी अपनी फसलों से जुड़ी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया,जिसे अधिकारियों ने गंभीरता से सुना।निरीक्षण के दौरान उपसंचालक ने किसानों को फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों से बचाव के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि समय-समय पर फसलों का निरीक्षण करते रहना चाहिए और किसी भी प्रकार के रोग या कीट के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत उचित दवाओं का छिडक़ाव करना चाहिए। साथ ही दवा छिडक़ाव की सही विधि, मात्रा और समय के बारे में भी विस्तार से समझाया, ताकि फसलों को नुकसान से बचाया जा सके और उत्पादन में वृद्धि हो सके।उन्होंने किसानों को यह भी सलाह दी कि कृषि विभाग द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत कृषि अधिकारियों से संपर्क करें, जिससे समय रहते समाधान किया जा सके।निरीक्षण के दौरान उनके साथ एम. के. दुबे, एसएडीओ ब्लाक मानपुर एवं विभागीय स्टाफ भी मौजूद रहा, जिन्होंने भी किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। कृषि विभाग की इस पहल से किसानों में जागरूकता बढ़ी है और उन्हें अपनी फसलों की बेहतर देखभाल करने में मदद मिल रही है।

बैंक में कैश ना मिलने के लोग हो रहे परेशान

सिलौंडी। सिलौंडी सेंट्रल बैंक में सिलौंडी क्षेत्र के लगभग 40 गांव के लोगो के खाते है परंतु महीने में 15 से 18 दिन कैश ना होने के कारण सेंट्रल बैंक के ग्राहक परेशान है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरे को क्षेत्र के सभी गांव के लोग खरीददारी के लिए सिलौंडी आते है मगर बैंक में नगद राशि ना मिलने के कारण वह अपनी खरीददारी नही कर पाते है । शादी विवाह में सामग्री ,कपड़े, ज्वैलरी बहुत चीजों को खरीदने में कैश की आवश्कता होती है पैसे होने के बाद भी समय पर नगद राशि नही मिलने से लोग कर्ज लेने को मजबूर है । सिलौंडी सेंट्रल बैंक में कैश ना होने के कारण व्यापारी ,किसान ,पेंशनधारी लोग को बहुत बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सिलौंडी में एक ही बैंक होने के कारण लोग भटकने को मजबूर है।

बिलासपुर रेल मंडल में तीन दिवसीय P&M बैठक संपन्नः कर्मचारियों के हित में लिए गए कई बड़े निर्णय

शहडोल। बिलासपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) मजदूर कांग्रेस और बिलासपुर रेल मंडल के बीच वर्ष 2026 की प्रथम स्थाई वार्ता तंत्र (PNM) बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। तीन दिवसीय बैठक 23, 24 और 25 अप्रैल तक चली बैठक में कर्मचारियों की कार्यदशा और सुविधाओं को लेकर रेल प्रशासन और संगठन के बीच कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी।

बैठक की मुख्य गरिमा

यह बैठक मंडल रेल प्रबंधक (DRM) बिलासपुर राकेश रंजन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई।अध्यक्षताः अपर मंडल रेल प्रबंधक (ADRM) जे.एस. मीना।विशेष उपस्थितिः अपर रेल प्रबंधक एस. श्रीनिवास।संयोजकः डॉ. अंशुमन मिश्रा (वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी)।संचालनः भास्कर गृहा (सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी) उपस्थित रहे।
मजदूर कांग्रेस की ओर से मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में केंद्रीय पदाधिकारियों और विभिन्न शाखा सचिवों ने मजबूती से कर्मचारियों का पक्ष रखा।

बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

तीन दिनों तक चले इस मंथन में जोनल प्रवक्ता गोपी राव के अनुसार निम्नलिखित मुख्य निर्णय लिए गए हैं:ओवरटाइम (OT) की व्यवस्थाः इंजीनियर विभाग सहित सभी विभागों में ओटी देने के लिए अलग से ओटी रजिस्टर उपलब्ध कराया जाएगा।पदोन्नतिः रेलवे में 10 प्रतिशत इंटक कोटा की अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी।रनिंग स्टाफ को लाभः कोरबा, ब्रजराजनगर, सूरजपुर व अन्य स्थानों पर रनिंग स्टाफ का माइलेज बढ़ाने पर त्वरित कार्यवाही होगी।स्वास्थ्य सुविधाः अब रेलवे कर्मचारियों को मोबाइल वेन के लाइन डॉक्टर द्वारा 05 दिनों का अनफिट मेमो जारी किया जा सकेगा।आवास सुधारः पेंड्रारोड़ सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर नए रेल आवासों का निर्माण होगा। साथ ही, सभी असुरक्षित व जर्जर आवासों को तत्काल गिराने के निर्देश दिए गए हैं।ट्रांसफरः 'स्पाउस ग्राउंड ट्रांसफर' (पति-पत्नी के आधार पर स्थानांतरण) के मामलों का निपटारा प्राथमिकता से किया जाएगा। इस बैठक के निर्णयों से बिलासपुर मंडल के हजारों रेल कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान होगा।

इनकी रही उपस्थिति

बैठक में मजदूर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, संयुक्त महामंत्री बी. कृष्ण कुमार, साई किरण, डी.डी.महेश, जी.एस. आईच, शुभम उपाध्याय सहित शाखा सचिव आर.के. यादव, एन. हेमंत कुमार, जावेद खान, बालकृष्ण बंगारी, पप्पू सिंह, सदाशिव पाण्डेय और जे.पी. यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सब जेल में स्वास्थ्य एवं विधिक सहायता शिविर का किया गया आयोजन, बंदियों को दी गई स्वास्थ्य व न्याय संबंधी जानकारी

बुढ़ार। सब जेल बुढ़ार में वृहद स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया, और बंदियों को स्वास्थ्य तथा न्याय संबंधी जानकारी से अवगत कराया गया।राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति बुढार द्वारा जेल प्रशासन के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया।शिविर अवसर पर माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति सुशील कुमार अग्रवाल, मा. न्यायाधीश सुश्री दिव्या रामटेके एवं जेलर विकास सिंह बघेल के विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित किया गया।
माननीय न्यायाधीश ने जेल में परिरुद्ध बंदियों को विधिक साक्षरता की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गई वहीं उनके प्रकरणों, स्वास्थ्य सेवाओं, मुलाकात व्यवस्था एवं भोजन की गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी ली गई, इस अवसर पर बंदियों ने जेल की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए सकारात्मक वातावरण की सराहना की।शिविर अवसर पर माननीय न्यायाधीशों द्वारा बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता के अधिकारों से अवगत कराया गया तथा शासकीय अधिवक्ता की नियुक्ति संबंधी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।
कार्यक्रम के समापन अवसर पर जेलर विकास सिंह बघेल ने कहाकि - गरीब एवं निःशक्त बंदियों को सुलभ न्याय उपलब्ध कराना न्यायपालिका एवं प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है, जिसके लिए जेल प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे न्यायाधीशों के प्रति आभार जताया।शिविर अवसर पर - जिला आयुष विभाग शहडोल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढ़ार के चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा सभी बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयां प्रदान की गई।इस आयोजन में सब जेल बुढ़ार की मेलनर्स श्रीमती मंजू परस्ते, प्रहरी सोहनलाल कोल, ज्ञानप्रकाश मरावी, अनूप कुमार, गीतेश कुमार मिश्रा एवं विनीत कनेरिया का सहयोग सराहनीय रहा।

रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति ने नवतनवां एक्सप्रेस का बुढार में स्टॉपेज सहित अन्य मांगों को लेकर डी.आर.एम. से भेंटकर सौंपा मांग पत्र

बुढार। सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार के त्रि-सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल बुढार स्टेशन की समस्याओं को लेकर डी.आर.एम. राकेश रंजन के प्रवास के दौरान 4 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, जिसपर डी.आर.एम. ने समस्याओं के निदान का प्रतिनिधि मंडल को भरपूर आश्वस्त कराया।
बुढार नगर के अति महत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन में तीर्थ स्थली अयोध्या जानें वाली नवतनवां एक्सप्रेस का ठहराव बुढार स्टेशन में करवाये जानें के साथ ही सप्ताह में तीन दिवस इस महत्वपूर्ण ट्रेन का परिचालन कराये जानें की मांग दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर के डी.आर.एम. राकेश रंजन के अनूपपुर आगमन पर सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति के संयोजक रोहणी प्रसाद गर्ग,अध्यक्ष मनोज कुमार जैन, प्रवक्ता बिहारी लाल साहू ने भेंटकर मांग पत्र सौंपा। इसके अलावा रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति के इस त्रि-सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने बुढार स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1, 2, 3 को फुटओवर ब्रिज को दक्षिण की ओर बढ़ाये जानें तथा शहडोल-नागपुर ट्रेन का परिचालन ओवरनाइट अंबिकापुर से करवाये जानें की पुरजोर मांग की, जिससे इसका लाभ यात्रियों को अपने गंतव्य की यात्रा में मिल सके, इसके साथ ही, बुढार स्टेशन के पश्चिम दिशा में स्थित अति प्राचीन भारत के पूर्व प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के सभा मंच के जीर्णोद्धार की अनुमति प्रदान कराये जानें की मांग भी डी.आर.एम. रेल्वे से की गई जिससे जीर्ण-शीर्ण सभा मंच का विस्तार एवं जीर्णोद्धार का कार्य करवाया जा सके।

ग्राम सेजवाही आयुष्मान आरोग्य मंदिर पनपथा में शिविर संपन्न

उमरिया। प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के सफल क्रियान्वमन हेतु डॉ. व्ही.एस. चंदेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन एवं डॉ. मुकुल तिवारी जिला क्षय अधिकारी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत बांधवगढ नेशनल पार्क के अंदर स्थित पहुंचविहीन ग्राम सेजवाही आयुष्मान आरोग्य मंदिर पनपथा विकासखंड मानपुर में शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में ग्रामवासियों द्वारा बढ चढकर भाग लिया एवं सहयोग प्रदान किया गया । शिविर में आये हुए लगभग 95 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग, बीपी शुगर, हीमोग्लोबिन की जांच व पोर्टेबल एक्सरे मशीन से एक्सरे स्क्रीनिंग तथा टी.बी. सैपल कलेक्शन कराया गया । शिविर का आयोजन संस्था पर पदस्थ सीएचओ नम्रता जोशी एवं एएनएम द्वारा ग्रामवासियों से समन्वय कर सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । ग्राम में एक्सरे कैंप का आयोजन किया गया । शिविर में शारदा प्रसाद गुप्ता डीपीसी, राजेन्द्र वर्मा, बीसीएम मानपुर, सीएचओ पनपथा नम्रता जोशी, एएनएम आशा कार्यकर्ता एवं एक्स रे टेक्नीशियन महेन्द्र नापित,पंकज राय एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे ।

जिला प्रबंधक 108 एम्बुलेंस सेवा उमरिया को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) उमरिया, डॉ. व्ही . एस. चंदेल द्वारा जिला प्रबंधक 108 एम्बुलेंस सेवा श्री सत्येंद्र कुमार वर्मा एवं 108 एम्बुलेंस टीम उमरिया को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर CMHO डॉ. चंदेल ने 108 एम्बुलेंस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रबंधक (108) सत्येन्द्र कुमार एवं उनकी टीम द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं समर्पित सेवा प्रदान कर अनेक मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया गया है, जिससे अनेक लोगों को नया जीवन मिला है।उन्होंने टीम के कार्यों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान शेख सरफराज, आबिद शेख, संदीप श्रीवास्तव, देवनारायण सेन, अफसर राजा, प्रदीप कछेर एवं प्रकाश सिंह गहरवार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास गणना से जुड़े कार्यों का दिया गया प्रशिक्षण

उमरिया। जनगणना 2027 के तहत मकानसूचीकरण एवं आवास गणना से जुड़े कार्यों के लिए प्रगणकों और सुपरवाइजरों का व्यापक प्रशिक्षण संपूर्ण जिले में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण चंदिया ,बिलासपुर और मानपुर में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों को भवन और जनगणना मकान के बीच अंतर स्पष्ट किया गया। साथ ही फर्श, दीवार और छत की मुख्य निर्माण सामग्री की पहचान, मकान के वास्तविक उपयोग और उसकी स्थिति (रहने योग्य, खाली आदि) का सही आकलन करने के तरीके विस्तार से समझाए गए। परिवार संबंधी जानकारी-जैसे परिवार क्रमांक, कुल सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का विवरण, मकान के स्वामित्व की स्थिति और उपलब्ध कमरों की संख्या को दर्ज करने की प्रक्रिया पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही पाली में प्रगणकों द्वारा फील्ड का अवलोकन किया गया।

अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर कार्रवाई, बड़ी मात्रा में ईंधन जब्त

मानपुर। अनुविभागीय अधिकारी मानपुर हरनीत कौर कलसी द्वारा अवैध रूप से पेट्रोल और डीजल की बिक्री की सूचना पर ग्राम रक्सा जनपद पंचायत मानपुर में कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नत्थू लाल जायसवाल के मकान में चोरी-छिपे ईंधन की खपत और बिक्री किए जाने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान पाया गया कि नत्थू लाल के पुत्र अंकुश जायसवाल द्वारा बंद दुकान के माध्यम से गैरकानूनी तरीके से पेट्रोल बेचा जा रहा था।
पूछताछ में अंकुश जायसवाल ने बताया कि डीजल उनके ट्रैक्टर के उपयोग के लिए लाया जाता है। संबंधित ट्रैक्टर का पंजीयन तीरथ जायसवाल के नाम पर दर्ज है। कार्रवाई के दौरान दुकान में केवल पेट्रोल और डीजल ही पाया गया। मौके से 25-25 लीटर की डीजल से भरी 3 केन,60 लीटर की 1 केन,30 लीटर की 1 केन,3 खाली केन,2 कुप्पी पेट्रोल जप्त किया गया।
जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि बंद दुकान के अंदर से ही पेट्रोल-डीजल की अवैध बिक्री की जा रही थी। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मचारियों द्वारा समस्त ईंधन जब्त कर लिया गया तथा विधिवत मौका पंचनामा तैयार किया गया। प्रशासन ने इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

कार्यवाही के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर कुल्हाड़ी और पत्थरों से कर दिया था हमला

सर्विस पिस्टल लूटने व चौकी प्रभारी पर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

जिले के सरई चौकी क्षेत्र में पुलिस टीम पर प्राणघातक हमला कर सर्विस पिस्टल लूटने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 21 अप्रैल को बकरी चोरी की सूचना पर कार्यवाही के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर कुल्हाड़ी और पत्थरों से हमला कर दिया था। इस हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई थी, जब सरई चौकी क्षेत्र में बकरी चोरी की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने अचानक हमला कर दिया रहा है। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने पहले चोरी की बकरी को फेंककर भागने का प्रयास किया और जब पुलिस ने पीछा किया तो उन पर कुल्हाड़ी और पत्थरों से हमला कर दिया रहा है। इस हमले में उपनिरीक्षक मंगला दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए रहे है, वहीं प्रधान आरक्षक राम प्रसाद मरावी को भी चोटें आईं रही है। हमले के दौरान आरोपियों ने पुलिस की सर्विस पिस्टल लूट ली और मौके से फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू कराई थी। लगातार प्रयासों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने किरर के जंगल से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और लूटी गई पिस्टल व कारतूस बरामद किए गए है।

घटना का पूरा घटनाक्रम

21 अप्रैल को सरई चौकी क्षेत्र में पुलिस को सूचना मिली कि तीन अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल से बकरी चोरी कर भाग रहे हैं। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक मंगला दुबे और उनकी टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने बकरी को फेंक दिया और भागने लगे। पीछा करने पर एक आरोपी ने कुल्हाड़ी से हमला किया, जबकि अन्य ने पत्थरों से वार किया। अचानक हुए इस हमले से पुलिस टीम संभल नहीं पाई और दोनों पुलिसकर्मी घायल हो गए।

घायल पुलिसकर्मी और लूटी पिस्टल

हमले के दौरान सरई चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मंगला दुबे के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे वे घायल हो गए। वहीं उनके साथ मौजूद प्रधान आरक्षक राम प्रसाद मरावी को भी पत्थरों से चोटें आईं। इस अफरा-तफरी का फायदा उठाकर आरोपियों ने उपनिरीक्षक की सर्विस पिस्टल छीन ली और मौके से फरार हो गए। यह घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई, क्योंकि इसमें न केवल पुलिसकर्मी घायल हुए बल्कि शासकीय हथियार भी लूट लिया गया था, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए।

पुलिस की कार्यवाही और गिरफ्तारी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल विशेष टीम गठित की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी के नेतृत्व में कई थानों की टीम को आरोपियों की तलाश में लगाया गया। पुलिस ने तकनीकी जांच, मुखबिर तंत्र और लगातार सर्च ऑपरेशन के जरिए 25 अप्रैल को किरर के जंगल में दबिश दी। यहां से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्यवाही पुलिस की त्वरित रणनीति और समन्वय का परिणाम रही है।

बरामदगी और आगे की जांच

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सर्विस पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया और घटना के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इस गिरोह के अन्य सदस्य भी इस तरह की वारदातों में शामिल हैं। पुलिस ने मामले की विस्तृत विवेचना शुरू कर दी है।

खेर माई धाम में मां संतोषी की प्राण प्रतिष्ठा आज, भक्ति से आलोकित होगा अनूपपुर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर की पावन धरती पर आज खेर माई धाम मंदिर में माँ संतोषी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का दिव्य आयोजन संपन्न होगा। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनुपम वातावरण व्याप्त है। धर्मनगरी अनूपपुर में स्थित खेर माई धाम पटौरा टोला बिजली ऑफिस के पास में माँ संतोषी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इन दिनों आध्यात्मिक उल्लास अपने चरम पर है। नगर के समाजसेवी रवि अग्रवाल (जैतहरी वाले) के द्वारा निर्मित नवीन मंदिर में यह भव्य धार्मिक अनुष्ठान पूर्वजों के आशीर्वाद एवं माँ भगवती की कृपा से विधिवत संपन्न किया जा रहा है। आयोजन में नगर सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। इस पावन अनुष्ठान का शुभारंभ 23 अप्रैल, गुरुवार को भव्य कलश यात्रा एवं पंचांग पूजन के साथ हुआ, जिसमें मातृशक्ति की विशेष सहभागिता देखने को मिली। इसके उपरांत 24 अप्रैल, शुक्रवार को पीठ पूजन, अन्नाधिवास एवं जलाधिवास जैसे वैदिक कर्मकांड विद्वान आचार्यों के निर्देशन में संपन्न हुए। 25 अप्रैल, शनिवार को शैय्याधिवास, द्रव्याधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास एवं पाठ पूजन के कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य संपन्न हुए, जिससे सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। मुख्य अनुष्ठान 26 अप्रैल, रविवार को देवी पूजन, प्राण प्रतिष्ठा, हवन एवं पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा, जिसका श्रद्धालुओं को विशेष प्रतीक्षा है। इस दिव्य आयोजन का समापन 27 अप्रैल, सोमवार को विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा, जिसमें समस्त श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। यह समस्त धार्मिक अनुष्ठान श्री श्री 1008 मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास जी महाराज (श्रीधाम वृन्दावन) एवं विद्वान आचार्य पं. हरिभजन अवस्थी के सानिध्य में संपन्न हो रहा है। आयोजनकर्ता रवि अग्रवाल एवं प्रभा अग्रवाल ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार उपस्थित होकर माँ संतोषी का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं इस पुण्य अवसर के सहभागी बनने की अपील की है।

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन की अपील

लू से बचने के लिए बरतें सावधानी, सुरक्षित रहें

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और तपिश को देखते हुए प्रशासन ने आम जनता के लिए जरूरी बातें साझा की हैं। "सावधानी ही सुरक्षा है" की बात दोहराते हुए लोगों से कहा गया है कि वे लू की चपेट में आने से बचने के लिए सतर्क रहें और अपनी सेहत का ख्याल रखें।

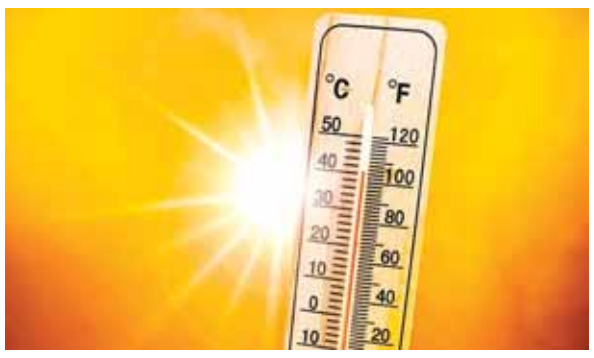

प्रशासन ने लोगों से कहा है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच, जब सूरज की गर्मी सबसे ज्यादा होती है, बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर न निकलें। यदि बाहर जाना ही पड़े, तो सिर को छाते, टोपी या सूती गमछे से ढककर निकलें। गर्मी के दिनों में शरीर में पानी की कमी न होने दें। प्यास न लगने पर भी थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें। हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनना शरीर के लिए आरामदायक होता है। खाने में हल्का और ताजा भोजन लें तथा ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से परहेज करें। घर के बड़े-बुजुर्गों और बच्चों पर गर्मी का असर जल्दी होता है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। उन्हें ठंडी जगह पर रखें और समय-समय पर पानी या अन्य पेय पदार्थ देते रहें। अगर किसी को चक्कर आए, तेज सिरदर्द हो या बहुत ज्यादा कमजोरी लगे, तो उसे तुरंत छाया वाली ठंडी जगह पर ले जाएं और पानी पिलाएं। यदि हालत में सुधार न हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में ये छोटी-छोटी सावधानियां आपको और आपके परिवार को बीमार होने से बचा सकती हैं।

ग्रामीणों का जीना हुआ मुश्किल

जिले में चार भागों में बट कर विचरण कर रहे पांच हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले में विचरण कर रहे पांच हाथी चार अलग-अलग भागों में बट कर विचरण करने से हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है वही खाने के तलाश में हाथियों द्वारा ग्रामीणों के घरों में अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ कर संपत्ति का नुकसान पहुंचाते हुए खेत एवं बांडियो में लगे तथा रखें विभिन्न तरह के फसलों को खा कर हंगामा मचा रहे हैं ग्रामीणों द्वारा अपने इलाके से हाथियों को भगाए जाने की कोशिश में हाथी भी ग्रामीणो पर आक्रमण करने की कोशिश करते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से तीन, एक एवं एक की संख्या में पांच हाथियों का दल अनूपपुर जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी इलाके में निरंतर विचरण कर रहे हैं जो दिन के समय जंगल में बिताने बाद शाम एवं रात होते ही खाने की तलाश में जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर नुकसान पहुंचा रहे हैं एक दांत वाला नर हाथी जिला मुख्यालय अनूपपुर से 7 किलोमीटर दूरी स्थित ग्राम पंचायत खांड़ा के खांड़ा बांध के ऊपर स्थित जंगल में निरंतर 16 दिनों से ठहरा हुआ है जो रात होते ही पहाड़ से उतरकर खांडा बांध में नहाने एवं पानी पीने बाद जंगल में बसे मोहन उर्फ ललऊ पिता स्व, शिवमंगल सिंह गोंड के

कच्चे मकान को निरंतर 6 दिनों तक अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ कर पूरे घर को तहस नहस कर दिया है ग्रामीण मोहन द्वारा अपने कच्चे घर को बचाने के लिए घर के चारों ओर बैर, बबूल एवं अन्य तरह के कटीले पेड़ों एवं दूसरी तरीके के कटीले पेड़ों की डगालियों को घर के चारों तरफ रखा हुआ है जिसे हाथी किनारे कर फिर से घर में तोड़फोड़ करता है पड़ोस में बहोरी सिंह पिता स्व, गोरेलाल सिंह के कच्चे मकान को भी निरंतर तीन बार तोड़ते हुए बांड़ी में लगे कटहल एवं बांस के पेड़ों को तोड़कर देर रात तक खाता है ग्रामीणों द्वारा वन विभाग के गश्ती

दल के साथ इस हाथी को इस इलाके से भगाए जाने की कोशिश पर यह हाथी कुछ दूर आगे जाकर अचानक चिघाडते हुए हमला करने की कोशिश पूरी रात में कई बार करता है एक अकेला दंतैल हाथी जो एक सप्ताह पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पर कर जैतहही तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा, पड़रिया एवं क्योटार के मध्य स्थित जंगल में अपने तीन अन्य हाथी साथियों के साथ दिन में ठहरा हुआ रहा तीन दिनों तक चारों हाथी जंगल के अंदर ही दिन एवं रात में गुंजा, पीपल बर एवं अन्य तरह के जंगल में स्थित पेड़, पौधों को खा कर पेट भर रहे थे शुक्रवार की रात चारों हाथी एक-एक एवं दो की संख्या में अलग-अलग होकर विचरण करते हुए एक हाथी कुकुरगोंड़ा पंचायत के सरईहा टोला में एक घर में तोड़फोड़ कर,एक दांत वाला एक हाथी जंगल से निकल कर ग्राम पंचायत क्योटार के कुसुमहाई गांव से लगे पाड़ाडोंल निवासी देवलाल पिता बाबूलाल बैगा के घर को 11 वीं वार तोड़फोड कर कुसुमहाई के पटौरा निवासी सीताराम राठौर के खेत में लगे गर्मी वाले धान की फसल एवं पटौरा के बगीचाटोला निवासी अंबिका सिंह के खेत में रखें सिंचाई वाले पंप एवं केला के पेड़ों को तोड़कर तहस-नहस कर खाकर फैला कर नुकसान पहुंचाते हुए शनिवार की सुबह फिर से कुकुरगोंड़ा पंचायत से लगे जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है वही दो हाथी रात भर जंगल से बाहर नही निकले जो शनिवार की सुबह कुकुरगोंड़ा, वन बीट धनगवां के जंगल में सोननदी एवं संतोकनाला के मध्य जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं। जिले में हाथियों के निरंतर विचरण एवं रात के समय अचानक जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर नुकसान किए जाने से हाथियों से प्रभावित अनेकों ग्रामों के ग्रामीण परेशान एवं भयभीत हैं वहीं वन विभाग का गश्ती दल अलग-अलग टीम के माध्यम से हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीण जनों को सतर्क एवं सचेत रहने की बात कही है।

गुरु नानक गुरुद्वारा में श्रद्धा, सेवा और उत्साह के साथ मन रहा दो दिवसीय बैसाखी महापर्व

प्रभात फेरी, विशाल नगर कीर्तन और पंज प्यारों की अगुवाई में गूंजा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक स्थित गुरु नानक गुरुद्वारा इन दिनों बैसाखी महापर्व की पावन आभा से आलोकित है। श्रद्धा, सेवा, समर्पण और भाईचारे के प्रतीक इस दो दिवसीय बैसाखी पर्व उत्सव का आयोजन अत्यंत धार्मिक विधि-विधान, पारंपरिक मर्यादा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है। गुरुद्वारा परिसर में 19 अप्रैल से अखंड श्रद्धा के साथ लगातार तीन पाठ का आयोजन प्रारंभ हुआ, जिससे सम्पूर्ण वातावरण गुरुबाणी और भक्ति रस से सराबोर रहा। बैसाखी पर्व के शुभ अवसर पर 25 अप्रैल, शनिवार की प्रातः बेला में सुबह 5 बजे प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें पुरुषों, महिलाओं एवं युवाओं ने भजन-कीर्तन करते

हुए पूरे नगर में श्रद्धा और भक्ति का संदेश प्रसारित किया। प्रभात फेरी के दौरान संगत "वाहे गुरु" के जयघोष के साथ भक्ति भाव में लीन दिखाई दी। इसी दिन गुरु नानक गुरुद्वारा प्रांगण से बैसाखी पर्व के पावन अवसर पर पंज प्यारों की रहनुमाई एवं सरपरस्ती में विशाल नगर संकीर्तन यात्रा निकाली गई। यह नगर कीर्तन नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा, पुष्प छिड़काव एवं आतिशबाजी कर स्वागत किया। संकीर्तन यात्रा के दौरान सिख समाज के पुरुष एवं महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए धर्ममय वातावरण का निर्माण करते रहे। विशेष आकर्षण के रूप में उत्साही एवं जांबाज युवकों द्वारा मनोहारी एवं आकर्षक गतका (धार्मिक युद्धकला) का प्रदर्शन किया गया, जिसने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। नगर कीर्तन में भव्य रूप से सुसज्जित रथ पर विराजमान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की अत्यंत श्रद्धा, पूजा-अर्चना एवं चंवर सेवा के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जिसने सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। 26 अप्रैल, रविवार को बैसाखी महापर्व के पावन उपलक्ष्य में गुरु नानक गुरुद्वारा परिसर में विशाल लंगर का आयोजन किया जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति द्वारा अधिकाधिक संख्या में श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर गुरु का प्रसाद ग्रहण करने तथा सेवा भावना में सहभागी बनने की अपील की गई है। इस भव्य आयोजन में गुरु नानक गुरुद्वारा के प्रमुख सरदार जंग सिंह, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर अमनदीप सिंह, रायपुर से चरणजीत सिंह, बिलासपुर से सुभाष सुवन्नी एवं महेंद्र सुवन्नी, पेंड्रा रोड से सरदार सुखदेव सिंह ग्रेवाल, गुरुद्वारा के ग्रंथी सरदार विनय सिंह सहित पेंड्रा रोड, पेंड्रा, बिलासपुर, रायपुर, शहडोल, बुढार, मनेंद्रगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से सिख समाज के सैकड़ों पुरुष एवं महिलाएं शामिल हुए हैं। बैसाखी पर्व के इस भव्य आयोजन ने अमरकंटक की पावन धरती पर श्रद्धा, सेवा, समरसता और मानवता का अनुपम संदेश पुनः जीवंत कर दिया है। गुरुद्वारा परिसर में उमड़ी संगत ने यह सिद्ध कर दिया कि बैसाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सेवा, त्याग, समर्पण और आध्यात्मिक जागरण का महोत्सव है।

रेल मंडल की वर्ष 2026 की प्रथम पीएनएम बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मान्यता प्राप्त रेल संगठन संगठन साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के साथ बिलासपुर रेल मंडल की वर्ष 2026 की प्रथम पीएनएम बैठक 23, 24 व 25 अप्रैल को बिलासपुर मंडल रेल सभागार में मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर राकेश रंजन के मुख्य अतिथि में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अपर मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर जेएस मीना ने की अपर रेल प्रबंधक बिलासपुर एस श्रीनिवास भी उपस्थित रहे, बैठक के संयोजक वरीष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बिलासपुर डा० अंशुमन मिश्रा व संचालन सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी भास्कर गृहा ने किया, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में केन्द्रीय पदाधिकारी कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, संयुक्त महामंत्री बीकृष्ण कुमार, साई किरण, डीडी महेश, जीएस आईच, शुभम उपाध्याय, शाखा सचिव आरके यादव, एन हेमंत कुमार, जावेद खान, बालकृष्ण बंगारी, पप्पू सिंह, सदाशिव पाण्डेय, जेपी यादव आदि उपस्थित रहे। तीन दिवसीय स्थाई वार्ता तंत्र बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय हुए इंजीनियर विभाग व सभी विभागों में ओटी देने हेतु ओटी रजिस्टर उपलब्ध होगा, 10 प्रतिशत इंटक कोटा का अधिसूचना जल्द जारी होगा, रनिंग स्टाफ का कोरबा, ब्रजराजनगर, सुरजपुर व अन्य स्थानों में माइलेज बढ़ाने की जल्द कार्यवाही होगी, स्पाउस ग्राउंड ट्रांसफर में जल्द कार्यवाही होगी, रेलवे कर्मचारियों को मोबाइल वेन के लाइन डाक्टर द्वारा 05 दिनों का अनफिट मेमो जारी होगा, सभी असुरक्षित आवासों को तत्काल गिराया जाएगा, पेंड्रारोड़ सहीत सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों में नए आवासों का निर्माण किया जाएगा आदि महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, उक्त जानकारी जोनल प्रवक्ता गोपी राव द्वारा दिया गया।

जिला जेल में निरुद्ध बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आयोजित किया गया विशेष शिविर

322 बंदियो का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, विषय विशेषज्ञ चिकित्सक ने दी सेवाए

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल द्वारा दिए गए निर्देशानुसार जिला जेल अनूपपुर में जिला न्यायालय अनूपपुर के जिला न्यायाधीश प्रथम की उपस्थिति में स्वास्थ्य कैंप 25 अप्रैल को आयोजित किया गया। मेडिकल कैंप में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एससी राय, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय अनूपपुर डॉ आरपी परस्ते के निर्देशन में सर्जिकल विशेषज्ञ डॉ साकेत, आदित्य हॉस्पिटल शहडोल के न्यूरो सर्जन डॉ राज शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ मो औजेर, अस्थि रोग चिकित्सक डॉ राजकुमार, डीआरपी मेडिसिन डॉ अमिनेश सिंह, डीआरपी गाइनी डॉ निकिता गुरबानी, दंत चिकित्सक डॉ प्रीति साहू, फार्मासिस्ट तन्मय सोनी, नर्सिंग ऑफिसर गरिमा मिश्रा, सरिता तिवारी, पिंकी चौधरी, लैब टेक्नीशियन भाई लाल पटेल, मिथिलेश राठौर ने स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित रहकर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई। स्वास्थ्य शिविर में जिला जेल के 322 बंदियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिनमें 307 पुरुष एवं 15 महिला शामिल रही। बताया गया कि मेडिसिन में 105 मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिनमें से एक को जिला चिकित्सालय अनूपपुर तथा एक को मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया। इसी तरह न्यूरो के पांच पेशेंट में से दो को जिला चिकित्सालय अनूपपुर में एक को मेडिकल कॉलेज शहडोल व सर्जरी के 19 मरीजों में से एक को जिला चिकित्सालय अनूपपुर मेडिकल कॉलेज शहडोल ऑर्थोपेडिक्स के 40 मरीज में से पांच को जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया नेत्र रोग के 28 मरीज का परीक्षण कर तीन को चिन्हित किया गया जिनमें से दो को जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफरल की कार्रवाई की गई इसी तरह दंत रोग के 27 नाक, कान, गला रोग के 13 एवं स्त्री रोग के चार मरीज को तथा एचआईवी, हेपेटाइटिस -बी, हेपेटाइटिस-सी, सिफलिस के 36 लोगों की जांच की गई टीवी के 47 तथा 36 लोगों की एक्स-रे जांच भी की गई।